

themselves with A. C. electric supply and other necessary facilities.

(b) The sets are being installed in the schools from out of the Ford Foundation's grant for the purpose.]

**अव्यावसायिक प्रदर्शन के लिये फिल्मों की बिक्री**

७. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९६१-६२ में अव्यावसायिक प्रदर्शन के लिये बेची गई फिल्मों से सरकार को कितनी आय हुई और उन पर कितना खर्चा हुआ ?

**f[SALE OF FILMS FOR NON-COMMERCIAL EXHIBITION**

7. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state the income derived by Government from the films sold in 1961-62 for non-commercial exhibition and the expenditure incurred on them?]

**सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) :** १९६१-६२ में अव्यावसायिक प्रदर्शन के लिए फिल्मों की प्रिंटों की बिक्री से फिल्म विभाग को १५.२९ लाख रुपये की आय हुई। प्रिंटों की तैयारी, पैकिंग और फार्वर्डिंग, उत्पादन शुल्क, भाड़ा इत्यादि पर जो व्यय हुआ वह ९.८० लाख रुपये है। इस व्यय में फिल्मों के निर्माण की लागत और प्रबन्ध का खर्च शामिल नहीं है।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH) : The revenue earned by the Films Division from the sale of prints of films during 1961-62 for non-commercial exhibition amounted to Rs. 15\*29 lakhs. The expenditure incurred on

preparation of the prints, packing and forwarding charges, excise duty, freight, etc. amounted to Rs. 9-80 lakhs. This expenditure does not take into account the element of cost of production of the films and over-head charges.]

**फिल्म इंस्टीट्यूट के शिक्षार्थियों के लिये काम**

८. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने फिल्म इंस्टीट्यूट आफ इण्डिया से पास करके निकले हुए शिक्षार्थियों के लिये काम ढूँढ़ने की कोई योजना बनाई है ;

(ख) यदि हां, तो वह योजना क्या है ; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'ना' हो तो इसका क्या कारण है ?

**t [EMPLOYMENT AVENUES FOR FILM INSTITUTE TRAINEES**

8. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any scheme for finding employment avenues for the trainees who have passed out of the Film Institute of India;

Ob) if so, what is that scheme; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, what is the reason therefor?]

**सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) :** (क) से (ग) क्योंकि डाक्यूमेंटरी और न्यूजरील को

t [ ] English translation.

छोड़ कर फिल्म निर्माण का कार्य गैर-सरकारी क्षेत्र में है, इस लिए सरकार इन्स्टीट्यूट के सफल प्रशिक्षार्थियों को नौकरी देने की गारंटी नहीं कर सकती। फिर भी एक ऐसा तरीका निकालने की कोशिश की जा रही है जिसमें फिल्म डिवीजन और गैर-सरकारी निर्माताओं दोनों ही जगह इन प्रशिक्षार्थियों को अप्रेंटिस-शिप मिल सके। इससे प्रशिक्षार्थियों को लाभदायक नौकरी हासिल करने में सहायता मिल सकती है।

[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH): (a) to (c) Since film production except for documentaries and newsreels is in the private sector, Government cannot guarantee employment to the successful trainees of the Institute. Efforts are however, being made to evolve a procedure for the apprenticeship of these trainees with both the Films Division and private producers. This might help the trainees in securing gainful employment.]

**भारतीय भाषाओं के पत्रों में छपे अंग्रेजी विज्ञापन**

९. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९६१-६२ में योजना आयोग और उसके संलग्न कार्यालयों द्वारा भेजे गये कितने अंग्रेजी के विज्ञापन भारतीय भाषाओं की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए ; और

(ख) अंग्रेजी पत्रों में भारतीय भाषाओं के विज्ञापन प्रकाशित करने का क्या कारण था ?

t [ENGLISH ADVERTISEMENTS PUBLISHED IN LANGUAGE PAPERS

9. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of PLANNING\* be pleased to state:

(a) how many advertisements in English sent by the Planning Commission and its attached offices in 1961-62 were published in Indian language papers and periodicals; and

(b) what was the reason for publishing advertisements in Indian languages in English papers?]

**योजना तथा श्रम और सेवानियोजन मंत्री (श्री गुलजारीलाल नन्दा) : (क) कोई नहीं।**

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

[THE MINISTER OF PLANNING AND LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI GULZARILAL NANDA): (a) None.

\* (b) Does not arise.]

**भारतीय भाषाओं के पत्रों में छपे अंग्रेजी विज्ञापन**

१०. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९६१-६२ में उनके मंत्रालय और संलग्न कार्यालयों द्वारा भेजे गये कितने अंग्रेजी के विज्ञापन भारतीय भाषाओं की पत्रपत्रिकाओं में प्रकाशित हुए ; और

(ख) अंग्रेजी पत्रों में भारतीय भाषाओं के विज्ञापन प्रकाशित करने के लिये भेजने का क्या प्रयोजन था ?